



UNIVERSITY NEWS 02 DECEMBER 2025

HINDUSTAN

समय पर प्रतियोगी परीक्षा के परिणाम से बेरोजगारी पर लगेगी लगाम

अध्ययन

लखनऊ, संवाददाता। सरकारी नौकरी पगोसे से युवाओं का सपना रहा है। नौकरी की सुरक्षा, स्थायी वेतन और सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण लाखों छात्र-छात्राएं हर साल प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होती हैं। इस सपने को पूरने का रास्ता अक्सर लंबा और कठिन होता है।

लखनऊ विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के गणितज्ञों ने एक शोध पत्र में यह दावा किया है कि भर्ती प्रक्रिया में देरी बेरोजगारी को अधिक जटिल बना देती है। यदि सही समय पर सरकारी भर्तियां होने लगे तो बेरोजगारी में कमी आएगी। यह अध्ययन लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित विभाग के प्रो. पंकज माथुर, प्रो. हरेंद्र वर्मा, नेहा माथुर, विष्णु नारायण मिश्रा ने किया है। जिससे एआईपी कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स में प्रकाशित किया है। प्रोफेसर पंकज माथुर के मुताबिक, शोधकर्ताओं का मानना है कि यदि सरकारी भर्ती प्रक्रिया को निजी कंपनियों की तरह तेज और समयबद्ध बनाया जाए तो बेरोजगारी कम होगी और योग्य उम्मीदवारों को समय पर अवसर मिलेगा। अन्यथा, नौकरी पाना हमेशा एक कठिन काम बना रहेगा।

दो वर्ष बाद जारी हुआ पीसीएस का परिणाम: प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि भारत में निजी कंपनियों अक्सर कैम्पस इंटरव्यू या त्वरित भर्ती के माध्यम से योग्य उम्मीदवारों को तुरंत अवसर देती हैं। इसके विपरीत सरकारी भर्ती एंजेंसियां जैसे यूपीएससी और एएसएससी कई वर्षों तक परिणाम घोषित नहीं कर पाती। प्रोफेसर माथुर ने उदाहरण दिया कि पीसीएस-2016 का अंतिम परिणाम 24 महीने बाद आया। जबकि इसी दौरान पीसीएस-2017 और पीसीएस-2018 की परीक्षाएं भी चूकी थीं। इसे तहत एएसएससी सीनियर 2017 का परिणाम 20 महीने तक लंबित रहा, जिससे आगे की परीक्षाएं प्रभावित हुईं। इस देरी से न केवल उम्मीदवारों का भविष्य अंध में लटकता है, बल्कि रिक्त पद भी लंबे समय तक खाली रहते हैं।

HINDUSTAN

एलयू में रक्तचाप और तनाव पर चर्चा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में योग संकाय, इंडियन योग फेडरेशन और यूपी नेचुरोपैथी एंड योग टीचर्स एंड फिजिशियन एसोसिएशन की ओर से सेमिनार के दूसरे दिन चार वैज्ञानिक सत्रों का आयोजन हुआ। प्रथम सत्र में योग विशेषज्ञ डॉ. संजय कुमार ने उच्च रक्तचाप के कारण होने वाले तनाव के बारे में बात की। इसके कारणों और बचाव पर विस्तार से बात की गई। उन्होंने बताया कि उच्च रक्तचाप के कारण तनाव का प्रभाव शरीर और मन दोनों पर पड़ता है। इन परिस्थितियों में तनाव से मुक्ति के लिए शशांकासन, वज्रासन, पचासन, गोमुख आसन और शीथलन की क्रियाएं करनी चाहिए। डॉक्टर रत्नेश पांडेय समेत अन्य ने विचार रखे।

DAINIK JAGRAN

एलएलबी परीक्षा के 12 नोडल, 35 केंद्र

लखनऊ। एलयू में विषम सेमेस्टर परीक्षा में एलएलबी तीन वर्षीय, एलएलबी इंटीग्रेटेड के लिए परीक्षा केंद्रों की सूची जारी कर दी गई है। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक की ओर से निर्देश जारी करते हुए केंद्रों की सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा के लिए 12 नोडल और 35 केंद्र बनाए गए हैं। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट देखें।

जागरूकता और इलाज की सुविधा बढ़ने से घटे एचआइवी मरीज 'दूर की जाएं एचआइवी एड्स के प्रति भ्रांतियां'

लखनऊ संवाददाता • लखनऊ : 'एचआइवी एड्स और इससे जुड़े विषय के बारे में जानकारी होना एक जागरूक युवा की पहचान है। समाज के हर वर्ग को बराबरी का दर्ज मिलना जरूरी है। एचआइवी एड्स के बारे में जो भ्रांतियां हैं, उन्हें दूर किया जाना चाहिए। इस काम के लिए युवा शक्ति से बेहतर कोई नहीं हो सकता है।' यह विचार उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के अपर परियोजना निदेशक रविंद्र कुमार ने सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित वाक्ताथान में साझा किए।

उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसाइटी और लखनऊ विश्वविद्यालय के लखनऊ संवाददाता • लखनऊ : 'एचआइवी एड्स और इससे जुड़े विषय के बारे में जानकारी होना एक जागरूक युवा की पहचान है। समाज के हर वर्ग को बराबरी का दर्ज मिलना जरूरी है। एचआइवी एड्स के बारे में जो भ्रांतियां हैं, उन्हें दूर किया जाना चाहिए। इस काम के लिए युवा शक्ति से बेहतर कोई नहीं हो सकता है।' यह विचार उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के अपर परियोजना निदेशक रविंद्र कुमार ने सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित वाक्ताथान में साझा किए।

AMAR UJALA

वार्षिक समाचार पत्र का विमोचन



लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी व तकनीकी संकाय के वार्षिक समाचार पत्र का विमोचन कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने सोमवार को किया। प्रो. एसपी सिंह ने बताया कि इस संस्करण में संकाय के छह विभागों की प्रमुख गतिविधियों, उद्योग, अकादमिक सहयोग, अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाओं, शोध प्रकाशनों, पेटेंट उपलब्धियों, स्टार्टअप, प्रशिक्षण व प्लेसमेंट रिकॉर्ड के साथ वर्ष भर में हुए कार्यक्रमों का संकलन है। इस मौके पर शिक्षक डॉ. हिमांशु पांडेय, डॉ. कमलेश तिवारी, डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. सिद्धार्थ सिंह, डॉ. जीशान अली, डॉ. रचना पाठक, डॉ. सुश्रुत वर्मा मौजूद रहे। (संवाद)

प्रोस्टेट कैंसर के नए इलाज पर डाला प्रकाश

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जूलॉजी विभाग में प्रोस्टेट कैंसर पर यूनिवर्सिटी ऑफ अलाबामा से आए विशेषज्ञ डॉ. मनोज मिश्रा का व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. शाली मलिक ने किया और अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. एम. सीरानुददीन ने की। डॉ. मिश्रा ने स्टोमल परिवर्तन, प्रतिरक्षा तंत्र से बचाव और चयापचयी पुनर्गठन जैसे कारकों के जरिये प्रोस्टेट कैंसर की प्रगति को सरल रूप में समझाया। साथ ही नवीन उपचार रणनीतियों पर प्रकाश डाला। एमएससी, पीएचडी छात्रों व शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की। (माई सिटी रिपोर्टर)

तनाव प्रबंधन में कारगर प्राकृतिक चिकित्सा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग विभाग में चल रहे राष्ट्रीय सेमिनार के दूसरे दिन सोमवार को चार वैज्ञानिक सत्र हुए। हरियाणा के डॉ. संजय कुमार ने उच्च रक्तचाप जनित तनाव और उससे बचाव के लिए शशांकासन, वज्रासन व शीथलीकरण की सलाह दी। भोपाल के डॉ. रत्नेश पांडेय ने तनाव को गंभीर मानसिक समस्या बताते हुए चंद्रभेदी प्राणायाम के निर्यात अभ्यास पर जोर दिया। दिल्ली के डॉ. रमेश कुमार ने प्राकृतिक चिकित्सा जैसे कटि स्नान, मिट्टी पट्टी व सूर्य-ऊर्जा जल को लाभकारी बताया। योग विशेषज्ञ सत्येंद्र मिश्रा ने ध्यानात्मक क्रियाओं को तनाव प्रबंधन का महत्वपूर्ण साधन बताया। उत्कृष्ट शोध पत्रों में पारुल जिसरोटिया को प्रथम पुरस्कार मिला। प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए। (माई सिटी रिपोर्टर)

DAINIK JAGRAN

35 केंद्रों पर होंगी एलएलबी की सेमेस्टर परीक्षाएं

जार्स • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएलबी तीन वर्षीय और एलएलबी इंटीग्रेटेड विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए केंद्रों की सूची सोमवार को जारी कर दी। लखनऊ, हरदोई, रायबरेली, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के 35 डिग्री कालेजों को केंद्र बनाया गया है। इन पर 51 कालेजों के छात्र-छात्राएं परीक्षा देने के लिए आवंटित किए गए हैं। 12 नोडल केंद्र भी बनाए गए हैं।

लवि में हुआ न्यूजलेटर का विमोचन

लखनऊ संवाददाता • लखनऊ : 'एचआइवी एड्स और इससे जुड़े विषय के बारे में जानकारी होना एक जागरूक युवा की पहचान है। समाज के हर वर्ग को बराबरी का दर्ज मिलना जरूरी है। एचआइवी एड्स के बारे में जो भ्रांतियां हैं, उन्हें दूर किया जाना चाहिए। इस काम के लिए युवा शक्ति से बेहतर कोई नहीं हो सकता है।' यह विचार उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के अपर परियोजना निदेशक रविंद्र कुमार ने सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित वाक्ताथान में साझा किए।

संस्कृत में 'दूर की जाएं एचआइवी एड्स के प्रति भ्रांतियां'

लखनऊ संवाददाता • लखनऊ : 'एचआइवी एड्स और इससे जुड़े विषय के बारे में जानकारी होना एक जागरूक युवा की पहचान है। समाज के हर वर्ग को बराबरी का दर्ज मिलना जरूरी है। एचआइवी एड्स के बारे में जो भ्रांतियां हैं, उन्हें दूर किया जाना चाहिए। इस काम के लिए युवा शक्ति से बेहतर कोई नहीं हो सकता है।' यह विचार उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी के अपर परियोजना निदेशक रविंद्र कुमार ने सोमवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित वाक्ताथान में साझा किए।

AMRIT VICHAR

तनाव दूर करना है चंद्रभेदी प्राणायाम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : तनाव गंभीर मानसिक बीमारी है, जिसके कारण मस्तिष्क की कोशिकाएं प्रभावित होती हैं। इससे बचाव के लिए चंद्रभेदी प्राणायाम और उदगीथ प्राणायाम का प्रतिदिन 10 से 15 मिनट अभ्यास उपयोगी है। यह कहना था भोपाल के योग विशेषज्ञ डॉ. रत्नेश पांडेय का, जो लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित तनाव प्रबंधन विषयक कार्यक्रम में बोल रहे थे। विश्वविद्यालय के योग विभाग, फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन, इंडियन योग फेडरेशन तथा यूपी नेचुरोपैथी एंड योग टीचर्स एंड फिजिशियन एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान

• लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने रखे विचार

• तनाव पर वैज्ञानिक शोध करने वाले शोधार्थियों को किया गया पुरस्कार

में सेमिनार के दूसरे दिन चार वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में हरियाणा से आए योग विशेषज्ञ डॉ. संजय कुमार ने उच्च रक्तचाप से उत्पन्न तनाव पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि उच्च रक्तचाप की स्थिति में तनाव का प्रभाव शरीर और मन दोनों पर पड़ता है। ऐसे में तनाव मुक्ति के लिए शशांकासन, वज्रासन, पचासन, गोमुखासन और शीतलीकरण की क्रियाएं लाभकारी हैं। दिल्ली से आए योग विशेषज्ञ डॉ. रमेश कुमार ने कहा कि शरीरगत तनाव दूर करने में आसन और प्राणायाम अत्यंत सहायक हैं। योग के साथ प्राकृतिक चिकित्सा की विधियों कटि स्नान, माथे पर मिट्टी की पट्टी और सूर्यकिरण चिकित्सा के अंतर्गत सूर्य की किरणों से आवेशित हरे जल का प्रयोग से तनाव में उल्लेखनीय लाभ मिलता है। उत्कृष्ट शोधपत्रों में प्रथम पुरस्कार शूलिनी विश्वविद्यालय सोरलन (हिमाचल प्रदेश) की पारुल जिसरोटिया को मिला। द्वितीय पुरस्कार लखनऊ विश्वविद्यालय की नम्रता मिश्रा को तथा तृतीय पुरस्कार शूलिनी विश्वविद्यालय की प्रवीण कुमारी को प्रदान किया गया।



प्रोस्टेट कैंसर के कारणों पर चर्चा

प्रोस्टेट कैंसर के कारणों पर चर्चा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणीविज्ञान विभाग में 'रीप्रोग्रामिंग द ट्यूमर माइक्रोएन्वायरनमेंट इन प्रोस्टेट कैंसर' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान डॉ. मनोज मिश्रा, यूनिवर्सिटी ऑफ अलाबामा के प्रतिष्ठित केसर जीवविज्ञानी ने दिया। उन्होंने ट्यूमर माइक्रोएन्वायरनमेंट में होने वाली जटिल प्रक्रियाओं जैसे स्टोमल परिवर्तन, प्रतिरक्षा तंत्र से बचाव और चयापचयी पुनर्गठन के माध्यम से प्रोस्टेट कैंसर की प्रगति को विस्तार से समझाया। डॉ. मिश्रा ने उन नवीन चिकित्सीय रणनीतियों पर भी प्रकाश डाला, जिनका उद्देश्य ट्यूमर निच को लक्षित कर उपचार के परिणामों में सुधार लाना है। कार्यक्रम का समापन डॉ. राजेश कुमार खरवार ने किया।



वार्षिक न्यूजलेटर का विमोचन

वार्षिक न्यूजलेटर का विमोचन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के वार्षिक न्यूजलेटर-2025 का विमोचन कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और संकायाध्यक्ष प्रो. एस.पी. सिंह ने किया। इस अवसर पर कुलपति ने न्यूजलेटर को संकाय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवाचार आर्थात् महोदय, अनुसंधान संस्कृति और छात्र-छात्राई उपलब्धियों का सशक्त प्रतिबिम्ब बताया। उन्होंने कहा कि संकाय ने निरंतर प्रगति करते हुए अपने कार्यक्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। संकायाध्यक्ष प्रो. एस.पी. सिंह ने कहा कि न्यूजलेटर का यह संस्करण संकाय के छह विभागों की प्रमुख गतिविधियों का व्यापक संकलन प्रस्तुत करता है।

AMRIT VICHAR

बेरोजगारी को जटिल बना रही भर्ती प्रक्रिया में देरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : देश में सरकारी नौकरी पाना युवाओं का सपना रहा है। नौकरी की सुरक्षा, स्थायी वेतन और सामाजिक प्रतिष्ठा के कारण लाखों छात्र-छात्राएं हर साल प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होते हैं। इस सपने का रास्ता अक्सर लंबा और कठिन होता है। लखनऊ विश्वविद्यालय और अन्य संस्थानों के गणितज्ञों ने एक शोधपत्र में यह दावा किया है कि भर्ती प्रक्रिया में देरी बेरोजगारी को और अधिक जटिल बना देती है।

गणितीय मॉडल का विश्लेषण

यह अध्ययन एआईपी कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग में प्रकाशित हुआ है। लखनऊ विश्वविद्यालय के गणित

वर्षों एएसएससी सीनियर-एल-2017 का परिणाम 20 महीने तक लंबित रहा, जिससे आगे की परीक्षाएं प्रभावित हुईं। इस देरी से न केवल उम्मीदवारों का भविष्य अंध में लटकता है, बल्कि रिक्त पद भी लंबे समय तक खाली रहते हैं। शोध में दो उदाहरणों के लिए अलग-अलग पैरामीटर लेकर गणना की गई। दोनों ही स्थितियों में पाया गया कि यदि भर्ती में देरी होती है तो बेरोजगारी का स्तर बढ़ जाता है और रिक्त पद लंबे समय तक खाली रहते हैं। गणितीय सिमुलेशन से यह भी स्पष्ट हुआ कि समय पर भर्ती होने पर बेरोजगारी घटती है और रिक्त पद भर जाते हैं।